निर्मला पणिक्कर

अकादेमी पुरस्कारः मोहिनीआट्टम

केरल के एर्नाकुलम में 19 मई 1950 को जन्मी, श्रीमती निर्मला पणिक्कर ने कलामंडलम कल्याणीकुट्टी अम्मा से मोहिनीआट्टम का प्रशिक्षण प्राप्त किया है। आपको कलामंडलम सत्यभामा के सानिध्य में प्रशिक्षण प्राप्त करने का भी अवसर मिला है। आपने गुरु अम्मन्नूर माधव चाक्यार से नेत्र और हस्त, तथा श्री वी. भानु और श्रीमती सावित्री ब्राह्मणी अम्मा से तिरुवतिराकली का प्रशिक्षण प्राप्त किया है। आपने आरएलवी संगीत ललित कला एकेडमी से भरतनाट्यम में पोस्ट डिप्लोमा भी किया है।

आप मुख्य रूप से मोहिनीआट्टम की कल्याणीकुट्टी अम्मा शैली की अभ्यासकर्त्ता हैं। आपने मोहिनीआट्टम के स्थानीय घटकों को उद्घाटित किया है और उन्हें अपनी प्रस्तुतियों से जोड़ा है। इस प्रकार आपने केरल की विशिष्ट नृत्य शैली मोहिनीआट्टम को दर्शकों के लिए और अधिक आकर्षक और मनोरंजक बनाया है। आपने नांगियारकुथु और मोहिनीआट्टम पर मोनोग्राफ समेत कई पुस्तकों की रचना की है। श्रीमती निर्मला पणिक्कर ने फ्रांस, नीदरलैंड, मैक्सिको, जापान, इंग्लैंड और इटली सहित देश–विदेश के प्रतिष्ठित मंचों पर कार्यशालाओं और व्याख्यान–प्रदर्शनों का आयोजन किया है।

श्रीमती निर्मला पणिक्कर को केरल संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार (2003) और केरल नृत्य–नाट्य पुरस्कारम (2017) जैसे विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

श्रीमती निर्मला पणिक्कर को मोहिनीआट्टम में योगदान के लिए वर्ष 2019 के संगीत नाटक अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है।

NIRMALA PANIKER

Akademi Award: Mohiniattam

Born on 19 May 1950 in Ernakulam, Kerala, Shrimati Nirmala Paniker received her training in Mohiniattam under Kalamandalam Kalyanikutty Amma. She also had the opportunity to get trained under Kalamandalam Satyabhama. She took Netra and Hasta training from Guru Ammannur Madhava Chakyar, and Tiruvatirakali under Shri V. Bhanu Asan and Shrimati Savithri Brahmani Amma. She also completed her Post Diploma in Bharatanatyam from RLV Music Fine Arts Academy.

Mainly practising Kalyanikutty Amma style of Mohiniattam, Shrimati Nirmala explored the indigenous components of Kerala's own art form Mohiniattam to make it more captivating to the audience. She is known for her books related to dance, including monographs on Nangiarkoothu and Mohiniattam. Shrimati Nirmala Paniker has conducted workshops and lecture demonstrations extensively at prestigious forums within the country and abroad including France, Netherlands, Mexico, Japan, U.K., and Italy.

Shrimati Nirmala Paniker has received various awards and honours such as the Kerala Sangeetha Nataka Akademi Award (2003), and the Kerala Nrithya-Natya Puraskaram (2017).

Shrimati Nirmala Paniker receives the Sangeet Natak Akademi Award for the year 2019 for her contribution to Mohiniattam.